



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 119] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 22, 1985/चैत्र 1, 1907  
No. 119] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 22, 1985/CHAITRA 1, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

नौवहन और परिवहन पत्रालय

अनुसूची

(पत्तन पक्ष)

मसौदा तृतीकोरिन पत्तन कर्मचारी (अस्थायी सेवा) संशोधन  
विनियम, 1984 ।

अधिसूचना

[सं. एस.-6/6/84-सी. डी. एन.]

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1985

सा. का. नि. 291 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, महापत्तन न्यास  
अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132, उप-धारा (1)  
के साथ पठित धारा 124, उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए, तृतीकोरिन पत्तन कर्मचारी (अस्थायी सेवा)  
संशोधन विनियम, 1984 को जैसा कि संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है, अनुमोदित करती है ।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के शासकीय राजपत्र में  
प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

[फा. सं. पी डब्ल्यू/पी ई आर-15/84]

पी. वी. राव, संयुक्त सचिव

(1)

महा पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा  
28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तृतीकोरिन पत्तन  
न्यास बोर्ड एतद्वारा केन्द्रीय सरकार के अनुमोदनाधीन तृतीकोरिन  
पत्तन कर्मचारी (अस्थायी सेवा) विनियम, 1979 को संशोधन करने  
के लिए उक्त अधिनियम की धारा 124 के अधीन निम्नलिखित  
विनियम बनाते हैं :—

- (1) इन विनियमों का नाम तृतीकोरिन पत्तन कर्मचारी  
(अस्थायी सेवा) संशोधन विनियम, 1984 है ।
- (2) ये भारत के राजपत्र में केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमो-  
दित विनियम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख को  
प्रवृत्त होंगे ।

2. तूतीकोरिन पत्तन कर्मचारी (अस्थायी सेवा) विनियम, 1979 (जिन्हें इसके बाद उक्त विनियम कहा गया है) का उप-विनियम (1) के विनियम 5 में निम्नलिखित टिप्पणी जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—

टिप्पणी :—नियुक्त करने वाले प्राधिकारी द्वारा खण्ड (क) के अन्तर्गत ऐसे कर्मचारी को नोटिस देते समय निम्न-लिखित कार्यविधि अपनायी जाएगी ।

- (1) नोटिस कर्मचारी को व्यक्तिगत रूप में सुपुर्द किया अथवा दिया जाएगा ।
- (2) जहाँ व्यक्तिगत रूप से देना व्यावहारिक न हो वहाँ ऐसे कर्मचारी को नोटिस कर्मचारी के उस पते पर रजिस्ट्रीकृत डाक पावती देय से दिया जाएगा जो नियुक्त करने वाले प्राधिकारी के पास उपलब्ध हो ।
- (3) यदि रजिस्ट्रीकृत डाक से भेजा गया नोटिस तामिल हुए बिना वापिस किया जाता है जो इसे राजपत्र में प्रकाशित किया जाएगा और ऐसे प्रकाशन के बाद यह उक्त तारीख को व्यक्तिगत रूप से तामिल हुआ माना जाएगा जिस तारीख को उस राज्य के राजपत्र में प्रकाशित किया गया जिसमें पत्तन स्थित है ।

3. उक्त विनियम के उप-विनियम (1) के विनियम 9 में :—

- (1) प्रथम परन्तक के बाद निम्नलिखित और परन्तक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि उक्त परन्तक के अन्तर्गत आदेश पारित करते समय सक्षम प्राधिकारी संबंधित कर्मचारी को नोटिस देगा या दिलाएगा जिसमें बोर्ड के अधीन अपनी संतोषजनक सेवा के कारण उप-दान की राशि में की जाने वाली प्रस्तावित कटौती उल्लिखित की गई हो और ऐसे कर्मचारी से नोटिस प्राप्त के पन्द्रह दिनों के भीतर अथवा ऐसे प्राधिकारी द्वारा ऐसा और समय देने पर ऐसा अभ्यावेदन देने के लिए कहे जैसे संबंधित कर्मचारी प्रस्तावित आदेश के विरुद्ध देना चाहे और ऐसे कर्मचारी द्वारा दिया गया अभ्यावेदन यदि कोई हो तो उस पर विचार करें ।”

- (2) मौजूदा दूसरे परन्तक में “और” शब्द के स्थान पर “भी” शब्द रखा जाएगा ।

4. उक्त विनियम के विनियम 10 में :—

- (1) उप-विनियम (1) में :—

(क) “निरन्तर” और “सेवा” शब्दों के बीच खण्ड (क) और (ख) में उल्लिखित “स्थायोक्त” शब्द को हटा दिया जाएगा ।

(ख) पहले परन्तक के बाद निम्नलिखित और परन्तक अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि उक्त परन्तक के अन्तर्गत आदेश पारित करने से पहले सक्षम प्राधिकारी संबंधित कर्मचारी को नोटिस देगा या दिलाएगा जिसमें बोर्ड के अधीन अपनी संतोषजनक सेवा

के कारण उप-दान की राशि में की जाने वाली प्रस्तावित कटौती उल्लिखित की गई हो और ऐसे कर्मचारी से नोटिस प्राप्त के पन्द्रह दिनों के भीतर अथवा ऐसे प्राधिकारी द्वारा ऐसा और समय देने पर ऐसा अभ्यावेदन देने के लिए कहे जैसे संबंधित कर्मचारी प्रस्तावित आदेश के विरुद्ध देना चाहे और ऐसे कर्मचारी द्वारा दिया गया अभ्यावेदन यदि कोई हो उस पर विचार करें ।”

(ग) मौजूदा दूसरे परन्तक में “और” शब्द के स्थान पर “भी” शब्द रखा जाएगा ।

(2) उप-विनियम (6) के स्थान पर निम्नलिखित उप-विनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(6) इस विनियम के प्रयोजन के लिए “निरन्तर सेवा” से कुल सेवा अभिप्रेत है जिसमें स्थायोक्त और स्थायी सेवा की अवधि शामिल है ।”

टिप्पणी :—1. तूतीकोरिन पत्तन कर्मचारी (अस्थायी सेवा) विनियम, 1979 भारत के राजपत्र के सा. का. नि. 99 (ई), तारीख 1 मार्च, 1979 में प्रकाशित किया गया ।

2. तूतीकोरिन पत्तन कर्मचारी (अस्थायी सेवा) संशोधन विनियम, 1979 भारत के राजपत्र के सा. का. नि. 968, तारीख 20 सितम्बर, 1980 में प्रकाशित किया गया ।

के. ए. सुन्दरम्, अध्यक्ष,  
तूतीकोरिन पत्तन न्यास

## “ MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd March, 1985

G.S.R. 291(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Amendment Regulations, 1984 as set out in the Schedule attached.

2. The said regulations shall come into force from the date of issue of this Notification in the Official Gazette.

[F. No. PW/PER-15/84

P. V. RAO, Jt. Secy

### THE SCHEDULE

TUTICORIN PORT EMPLOYEES (TEMPORARY SERVICE) AMENDMENT REGULATIONS, 1984

(No. S-6/84-CDN)

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963)

the Tuticorin Port Trust Board hereby makes, subject to the approval of the Central Government, under Section 124 of the above Act, the following Regulations to further amend the Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Regulations, 1979 :—

1. (1) These Regulations may be called the Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Amendment Regulations, 1984.

(2) They shall come into force on the date of publication of the notification by the Central Government approving these Regulations in the Official Gazette.

2. In Regulation 5 of the Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Regulations, 1979, (hereinafter called as the said regulations), the following note shall be added to Sub-Regulation (1), namely :—

“Note :—The following procedure shall be adopted by the appointing authority while serving notice on such employee under clause (a) :—

- (i) The notice shall be delivered or tendered to the employee in person.
- (ii) Where personal service is not practicable, the notice shall be served on such employee by registered post, acknowledgement due at the address of the employee available with the appointing authority.
- (iii) If the notice sent by registered post is returned unserved, it shall be published in the Official Gazette and upon such publication, it shall be deemed to have been personally served on such employee on the date it was published in the Official Gazette of the State in which the Port is situated.”

3. In Regulation 9 of the said Regulations, in sub-regulation (1) :—

- (i) after the first proviso, the following further proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that, before passing an order under the foregoing proviso, the competent authority shall serve or cause to be served a notice upon the person concerned specifying the reduction proposed to be made in the amount of gratuity on account of his unsatisfactory service under the Board, and call upon such employee to submit, within fifteen days of the receipt of the notice or such further time as may be allowed by that authority, such representation as the employee concerned may wish to make against the proposed order and take into consideration the representation, if any, submitted by such employee.”;

- (ii) in the existing second proviso, for the word “further”, the word “also” shall be substituted.

4. In regulation 10 of the said regulations,—

- (i) in sub-regulation (1),—

- (a) the word “quasi-permanent” appearing in clauses (a) and (b) between the words “continuous” and “service” shall be omitted.

- (b) after the first proviso, the following further proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that, before passing an order under the foregoing proviso, the competent authority shall serve or cause to be served a notice upon the employee concerned specifying the reduction proposed to be made in the amount of gratuity on account of his unsatisfactory service under the Board, and call upon such employee to submit within fifteen days of the receipt of the notice or such further time as may be allowed by that authority, such representation as the employee concerned may wish to make against the proposed order and take into consideration the representation, if any, submitted by such employee.”

- (c) in the existing second proviso, for the word “further”, the word “also” shall be substituted.

- (ii) for sub-regulation (6), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(6) For the purpose of this regulation, “continuous service” means the total service including spells of quasi-permanent and temporary service.”

Note :

1. The Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Regulations, 1979, were published vide GSR 99(E) of the Gazette of India, dated the 1st March, 1979.
2. The Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Amendment Regulations, 1979, were published vide GSR 968 of the Gazette of India, dated the 1st September, 1980.

K. A. SUNDARAM, Chairman,  
Tuticorin Port Trust.

